VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 473817

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : Sandeep Kumar Meena

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
Hindi

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

तारीख
Date
27/8/23

केंद्र
Centre: Bhai Jogа Singh Public School. Delhi

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

VISIONIAS

	महत्वपूर्ण अनुदेश उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

www.visionias.in
VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2425)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

__सभी__ प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) आगामी वर्षों में प्रभावी कॉर्पोरेट गवर्नेंस को लागू करने के लिए, ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और गवर्नेंस) मैट्रिक्स को बहु-हितधारक दृष्टिकोण के साथ एकीकृत करना क्यों महत्वपूर्ण है? ऐसे एकीकरण से क्या लाभ हो सकते हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

For effective corporate governance to take place in the coming years, why is it important to integrate the ESG (Environmental, Social, and Governance) metrics with the multi-stakeholder approach? What benefits can be accrued by such integration? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कॉर्पोरेट गवर्नेन्स निजी क्षेत्र के संगठित संरचना के शासन प्रणाली है जिसमें सभी हितधारकों के हितों को ध्यान में रखा जाता है

कॉर्पोरेट गवर्नेंस में ESG मैट्रिक्स के बहु हितधारक दृष्टिकोण को शामिल करना क्यों :-

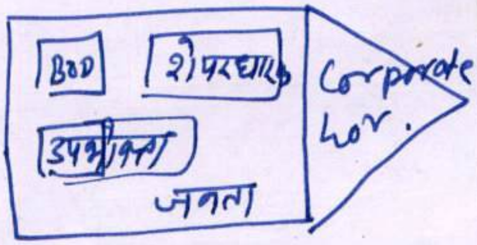

(1) कॉर्पोरेट गवर्नेंस में पर्यावरण, सामाजिक मूल्यों को ध्यान रखना

(2) निजी क्षेत्र वर्तमान में जन कल्याण के कार्यों में बेहतर रूप से संलग्न है

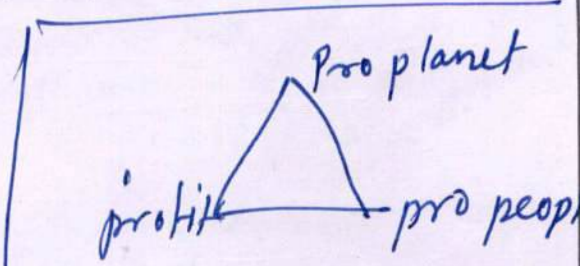

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. सार्वजनिक सेवाओं में निजी क्षेत्र की भूमिका।

ऐसे एकीकरण के लाभ :-

1. पर्यावरण का संरक्षण
2. समाज के हितों का निजी क्षेत्र द्वारा ध्यान रखा जाना।
3. गवर्नेंस बेहतर करके साथ, पर्यावरण ग्राहक आदि हितधारकों के हितों की रक्षा करना।

समग्रत: पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक हित वर्तमान समय में कॉर्पोरेट गवर्नेंस के मानदंडों में शामिल करना चाहिए।

1. (b) भ्रष्टाचार के कृत्यों में, मुख्य ध्यान केवल इसके मांग पक्ष अर्थात निजी लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने वाले सार्वजनिक अधिकारियों पर होता है। वहीं प्रायः आपूर्ति पक्ष पर कम ध्यान दिया जाता है। वे लोग जो रिश्वत देते हैं उन्हें कभी-कभी निर्दोष पक्षकार और चालाक लोक सेवकों की जबरन वसूली क्रिया के शिकार के रूप में चित्रित किया जाता है। क्या आप इस बात से सहमत हैं कि 'मिलीभगत से संचालित भ्रष्टाचार', जिसमें स्वेच्छा से रिश्वत देने वाला भी शामिल होता है, भ्रष्टाचार से निपटने वाली संस्थाओं के लिए एक विकट चुनौती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In acts of corruption, the focus is often only on the demand side of the equation, on public officials who abuse their office for private gain. Frequently, the supply side is given less attention. Those who pay bribes are sometimes depicted as innocent parties and victims of extortionary practices of wily public servants. Do you agree that 'collusive corruption', in which there is a willing bribe-giver, is a formidable challenge for institutions fighting corruption? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत के करप्शन परसेप्शन इंडेक्स में 78 वां स्थान है।

मिलीभगत संचालित भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार में शामिल एजेंसियों के लिए एक विकट चुनौती :-

(1) भ्रष्टाचार एक सामाजिक संस्कृति की स्वीकार्यता के साथ है। इसको समाज में मूल्य एवं अभिवृत्ति के स्तर पर परिवर्तन।

(2) जाँच एजेंसियों के स्थान पर समाज सरकार द्वारा पारदर्शिता

संवेदनशीलता एवं जवाबदेहिता के माध्यम से सुशासन पर अधिक बल देना।

विवेकाधिकार + निर्णयन की शक्ति − जवाबदेहिता

⇓

भ्रष्टाचार

जाँच एजेंसियों में सुधार

- तकनीक का बेहतर
- बेहतर प्रथाओं से सीखना
- समयबद्ध जाँच
- क्षमता बेहतर

भ्रष्टाचार के निवारण में जाँच एजेंसियों के साथ-साथ भ्रष्टाचार के संस्थानीकरण की समस्या के समाधान हेतु सामाजिक स्तर पर और सुशासन के लिए प्रयास करने होंगे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) नागरिक चार्टर पहल उन समस्याओं के समाधान हेतु दीर्घकाल से जारी खोज की प्रतिक्रिया थी, जिनका सामना एक नागरिक को सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने वाले संगठनों के साथ जुड़ते समय प्रतिदिन करना पड़ता था। लेकिन भारत सरकार में नागरिक चार्टर की शुरुआत और कार्यान्वयन पुरानी नौकरशाही व्यवस्था एवं कार्यबल के कठोर रवैये के कारण मुश्किल रहा है। नागरिक चार्टर पहल को लागू करने में आने वाली प्रमुख बाधाओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Citizens' Charters initiative was a response to the quest for solving the problems, which a citizen encountered, day in and day out, while dealing with the organisations providing public services. But the introduction and implementation of Citizens' Charters in the government of India has been difficult due to the old bureaucratic set up and the rigid attitudes of the work force. Discuss the major obstacles that have been encountered in implementing the Citizens' Charter initiative. (Answer in 150 words) 10

नागरिक चार्टर की शुरुआत UK के सिटीजन मार्क से हुई थी इसमें नागरिकों को दी जाने वाली सेवाओं, मानकों एवं समय की जानकारी होती है

नागरिक चार्टर पहल को लागु करने में आने वाली प्रमुख बाधा :-

- विभिन्न विभागों के CC में स्पष्टता का अभाव।
- विभिन्न विभागों के सेवा वितरण की समयबद्धता को पूरा न किया जाना।
- नागरिक चार्टर की पालना नहीं।

→ सेवाओं की गुणवत्ता का ध्यान नहीं।
उदा. PDS वितरण में

→ भ्रष्टाचार की संस्कृति
उदा. ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना।

→ कर्मचारियों की संख्या एवं क्षमता का अभाव
उदा. विभिन्न विभागों में खाली पड़े पद — पुलिस

निष्कर्ष: नागरिक चार्टर की पालना के लिए सभी हितधारकों को शामिल करके नागरिक चार्टर बनना चाहिए जिससे इसकी पालना हो पारदर्शी व वास्तविक कार्य प्रणाली का निर्माण किया जा सके।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (b) सार्वजनिक सेवा वितरण की गुणवत्ता वर्ग, जाति, धर्म आदि के आधार पर विभाजित अत्यधिक विषमतापूर्ण समाज में कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता का एक प्रमुख निर्धारक है। इस पृष्ठभूमि में, क्या आपको लगता है कि भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Quality of public service delivery is a major determinant of the quality of life of vulnerable sections in a highly unequal society divided along the lines of class, caste, religion, etc. In this background, do you think that public service delivery is efficient and sufficient enough to improve the lives of vulnerable groups in India? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सार्वजनिक सेवा वितरण से आशय ऐसी सेवाएं जो समाज के व्यापक वर्ग पर प्रभाव डालती हों। जिनके उपभोग बारंबार एवं किसी को उपभोग से रोका न जा सके।

भारत में कमजोर वर्गों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सार्वजनिक सेवा वितरण कुशल और पर्याप्त नहीं है क्योंकि:-

① भारत में MPI गरीबी का विश्व का 28% है।

② SC/ST एवं अन्य पिछड़े वर्गों में शिक्षा व स्वास्थ्य की स्थिति कमतर होना।

ST का शिक्षा का स्तर — 52%

3. आय का असमान वितरण 44% जनसंख्या के पास 1% संपत्ति होना (oxfam report)

4. कृषकों की औसत आयु 59 वर्ष है।

सार्वजनिक सेवा वितरण के पक्ष में तर्क :-

1. 1950 में मातृत्व मृत्यु दर 2000 थी जो अब 137 है।

2. शिक्षा का स्तर महिलाओं में 9% से 52%।

3. गरीबी निवारण 2004 में 26% से 10.9% है।

समग्रत: सार्वजनिक सेवा वितरण में सुधार के माध्यम से समाज के वंचित एवं सुभेद्य वर्गों की जीवन की गुणवत्ता व SDGs को प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "बुद्धिमान व्यक्ति अपने धन का संचय नहीं करता है। जितना अधिक वह दूसरों को देता है, उतना ही अधिक उसके पास अपने लिए होता है।" – लाओत्से (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The wise man does not lay up his own treasures. The more he gives to others, the more he has for his own." - Lao Tzu (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महात्मा गांधी ने भी ट्रस्टीशिप के माध्यम इस कथन की पुनरावृत्ति की है। इस कथन का आधार परोपकारिता है।

निजी जीवन में उपयोग :

1. परोपकार एवं दूसरों की सहायता करके मानव कल्याण का भाव।

2. दूसरों की सहायता करना अंतात्मा की संतुष्टि।

3. मानव के मानवीय गुणों का होना मानव का सारतत्व है। जिसमें परोपकारिता, दया, करुणा आदि है।

सार्वजनिक जीवन में इस कथन का महत्व :

1. विभिन्न ~~COEs~~ CEO व दानदाताओं द्वारा दान देना।
   उदा- वारेन बफेट
   महाराणा प्रताप को भामाशाह ने दिया।

2. सार्वजनिक कल्याण के कार्यों को महत्व देना।

3. निधियों का बेहतर उपयोग।

समग्रतः : सरबत दा भला एवं रामचरितमानस ~~की~~ का उद्देश्य भी है-
"परहित सरिस धर्म नहिं भाई
परपीड़ा सम न अधमाई।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (b) "यदि शीर्ष पर अपर्याप्त नैतिकता है, तो इस व्यवहार का संगठन में उच्च से निम्न स्तर तक अनुसरण होता है।" - रॉबर्ट नॉयस (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"If ethics are poor at the top, that behavior is copied down through the organization." - Robert Noyce (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संगठन की कार्य संस्कृति के निर्धारण में नेतृत्व का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

पक्ष में तर्क :-

1. समाज में सामाजिक नेताओं के नैतिक न होने पर व्याप्त अराजकता का प्रसार होगा।

उदा. → जिन्ना के नेतृत्व में पाकिस्तान।
→ गाँधी के नेतृत्व में भारत।

2. गांधी जी ने साधन - साध्य की पवित्रता बल दिया।

→ शीर्ष नैतिक नहीं साधन-साध्य भी नहीं।

3. कांट के कर्तव्य का पालन का

सिद्धांत।
→ शीर्ष पर लोग कर्तव्य पालन नहीं।

4. गीता के निष्काम कर्म के सिद्धांत।

विपक्ष में तर्क:-

1. शीर्ष पर अनैतिकता पर भी सामान्य समाज नैतिक हो सकता है
- औरंगजेब धार्मिक रूप से असहिष्णु पर आम जनता सहिष्णु।

समग्रतः शीर्ष की अनैतिकता उच्च से निम्न की ओर गमन करती है लेकिन हमें प्रेरणा देती है—
" अंधकार को क्यों धिक्कारें अच्छा है एक दीप जलायें।"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. (c) "कानून का उद्देश्य स्वतंत्रता को समाप्त करना या सीमित करना नहीं है, बल्कि इसे संरक्षित करना और बढ़ाना है।" - जॉन लॉक (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"The end of law is not to abolish or restrain, but to preserve and enlarge freedom." - John Locke (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

"your Liberty ends where my nose starts" यह अंग्रेजी कहावत स्वतंत्रता के संरक्षण एवं कानून की उपस्थिति की आवश्यकता को बताती है।

पक्ष में तर्क :-

(1) कानून के माध्यम से स्वतंत्रता का संरक्षण।

उदा. अस्पृश्यता निवारण अधि., 1955

(2) कानून के माध्यम से दूसरों की स्वतंत्रता का संरक्षण करना।

उदा. डकैती व हत्या का अपराध मानना।

(3) कानून समाज में सबके सहअस्तित्व को बनाये रखता है

जैसे - पर्यावरण संरक्षण अधि., 1986

(ब) कानून व्यापक अर्थों में दूसरों की स्वतंत्रता के संरक्षण के लिए आपके कार्यों का संरक्षण करता है।

विपक्ष में तर्क:

1. कानून आपके कार्यों का निर्धारण करता है।
   क्या करना क्या नहीं।
2. UAPA जैसे कानूनों का राज्य द्वारा दुरुपयोग।
3. सरकार द्वारा पुराने कानूनों को वापस लेना।
   हाल ही में 1700 कानूनों को वापस लिया।

निष्कर्ष: कानून समान उद्देश्यों की प्राप्ति एवं सबकी स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए कुछ कार्यों पर नियमन करते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) दुनिया भर में अमीर CEOs और सफल व्यवसायों के संस्थापक तेजी से अपनी संपत्ति परोपकार के लिए दान करने का वादा कर रहे हैं। क्या आपको लगता है कि ऐसा कदम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए पर्याप्त है? समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Wealthy CEOs and founders of successful businesses around the world are increasingly pledging to give away their wealth in philanthropy. Do you think that such a move is sufficient enough to bring about a positive change in the society? Critically examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गांधी जी के ट्रस्टीशिप के सिद्धांत में भी परोपकारिता के दान को समावेशित किया गया था।

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए परोपकारिता का महत्व :-

① इस कदम के माध्यम से सुकरात के कथन आत्मसंतुष्टि के लिए कार्य के महत्व मिलता है।
उदा. वारेन बफेट, रतन टाटा

② इनमें व्यापक स्वेच्छा से दान करता है जिससे समाज में मानवीय मूल्यों का प्रसार, स्पिलओवर इफेक्ट।
– गांधीजी विनोबा भावे भी प्रभावित हुए।

③ जॉय ऑफ गिविंग

विपक्ष में तर्क :-

→ विकसित देशों ने .2% of GDP को दान किया।
→ विकासशील देशों में अधिक खर्च नहीं।
→ अपने व्यवसाय के हितों को ध्यान रखकर दान करना।
→ इसलिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा - 135(A) - CSR के लिए लाये।

समग्रत: स्वैच्छिक दान की प्रवृत्ति बढ़ रही है यह पूर्व छात्रों, अमीर CEOs आदि में देखने को मिल रही है इससे समाज का कल्याण एवं मानवीय मूल्यों में वृद्धि देखने को मिल रही है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b) चूंकि दुनिया भर के संगठन अपना कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) रूपांतरण आरंभ कर रहे हैं, इसलिए AI युग में छलांग ऐसी किसी भी तकनीक की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकती है, जिससे व्यवसायों को अभी तक जूझना पड़ा है। इस पृष्ठभूमि में, निष्पक्षता, पारदर्शिता और नौकरी की सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As organizations across the globe begin their artificial intelligence (AI) transformation, the leap into the AI era is expected to be more challenging than any technology that businesses have grappled with yet. In this background, discuss the concerns around fairness, transparency, and job security that may arise. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

AI के प्रयोग बढ़ रहे हैं इसमें ChatGPT जैसे नये प्रयोग देखने को मिल रहे हैं। AI मशीन के माध्यम से मानवीय बुद्धिमता के प्रयोग से संबंधित है।

निष्पक्षता :-

(1) AI ने जिस वर्ग ने निर्मित किया है उसके पक्ष में होने के साक्ष्य मिले हैं।
उदाहरण - अमेरिका में नस्लीय भेद।

(2) लिंग आधारित संवेदनशीलता में कमी।

पारदर्शिता :-

1. AI के माध्यम से मशीनों द्वारा अधिक गोपनीयता।

2. संगठित अपराध नाकों द्वारा डार्क नेट, डीपफेक जैसे प्रयोग।

नौकरी की सुरक्षा:-

1. विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार उभरती प्रौद्योगिकी ने 2/3 नौकरियों के लिए संकट पैदा किया है।

2. AI एवं उभरती Technology ने प्राथमिक क्षेत्र के साथ उत्पाद संपन्न उद्योगों में नौकरियों की कमी।

समग्रतः AI ने पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं वस्तुनिष्ठता जैसे मूल्यों में कमी की है। लेकिन तकनीक के माध्यम से इसमें सुधार करके नये जॉबों का सृजन किया भी जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a) शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों पर स्वामी दयानंद सरस्वती का बल समकालीन भारत में भी सामाजिक-सांस्कृतिक विमर्श को प्रभावित करता है। उपयुक्त उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The emphasis of Swami Dayanand Saraswati on education, social equality, and ethical values continues to influence the socio-cultural discourse in contemporary India. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

19वीं शताब्दी में स्वामी दयानन्द सरस्वती ने समाज सुधार के लिए महत्वपूर्ण रूप से काम किया है।

वर्तमान समय में शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों का महत्व :-

शिक्षा
- → समाज में परिवर्तन का माध्यम (डा. अंबेडकर)
- → जीवन स्तर की गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक
- → NEP, 2020 में व्यवसायिक शिक्षा को शामिल करना।
- → भारत में कौशल के माध्यम से विनिर्माण का हब बनाना।

सामाजिक समानता :-

(1). भारत में जातियों, धर्म एवं वर्गों के

आधार पर भेदभाव को समाप्त करके समावेशी विकास एवं समाज के लक्ष्य को प्राप्त करना।

उदा. हाल ही में CJI ने कहा जाति के आधार पर लॉ फर्म ने जॉब से निकाला।

नैतिक मूल्य :

- भ्रष्टाचार का बढ़ना
- → अपराध को बढ़ना
- → समाज में संवेदनशीलता की कमी
- → लिंग आधारित संवेदनशीलता में ह्रास
- सामाजिक न्याय

नैतिक मूल्यों के माध्यम से इनका निवारण।

निष्कर्ष : वर्तमान में भारत में शिक्षा, सामाजिक समानता और नैतिक मूल्यों के माध्यम से सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे संतु निरामया के लक्ष्य की प्राप्ति।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (b) निम्नलिखित में से प्रत्येक पर 30 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :
Write short notes on the following in 30 words each : 2 x 5 = 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(i) लोक सेवा के प्रति समर्पण
Dedication to public service

लोक सेवा से तात्पर्य ऐसी सेवाओं से है जो सार्वजनिक निधि के माध्यम से जनता के कल्याण के लिए हो। इनकी संवेगात्मक रूप से दृढ़ता के साथ प्रदान करने की भावना से है उदा. ई-श्रीधरन द्वारा मेट्रो का समयबद्धता के साथ निर्माण।

(ii) लोक सेवा में गैर-पक्षपात
Non-partisanship in civil service

लोक सेवाओं के में गैर-पक्षपात से तात्पर्य है राजनैतिक रूप से कि तटस्थ रहकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना
उदा. भारत की सिविल सेवा।
T.N. शेषन द्वारा चुनावों का संचालन।

(iii) निर्णय-निर्माण में वस्तुनिष्ठता
Objectivity in decision-making

तथ्यों के आधार पर निर्णय निर्माण करना वस्तुनिष्ठता कहलाता है। इसमें अपने पूर्वाग्रहों एवं निजी हितों को से दूर रहना होता है।
उदा. – DBT के माध्यम से सब्सिडी का स्थानान्तरण
→ सरदार वल्लभ भाई पटेल

(iv) बहुलवादी समाजों में सहिष्णुता
Tolerance in pluralistic societies

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सहिष्णुता से तात्पर्य है दूसरों के विचार, मत, धर्म आदि का सम्मान करना।

उदा. भारत में धार्मिक सहिष्णुता की नीति संविधान में शामिल है। कबीर द्वारा दोनों धर्मों का सम्मान

(v) लोक सेवा में करुणा
Compassion in public service

करुणा से आशय दूसरों की समस्या को उसके समक्ष जाकर निवारण करना इसमें भावनात्मक तीव्रता अधिक एवं विस्तार भी अधिक।

भगवान बुद्ध करुणा के महासागर थे।

6. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता केवल भावनाओं या बुद्धिमत्ता से जुड़ी नहीं हो सकती है। इसमें व्यक्तित्व संबंधी विशेषताओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हो सकती है जो पेशेवर और रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्वनिर्धारण कर सकती है। विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Emotional intelligence may not be singularly associated with emotions or intelligence. It can also include a broad range of personality characteristics that might predict success in professional and everyday life. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमता में अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भावनाओं को समझने एवं प्रबंधित करने तथा उसके अनुसार कार्य करने से है।

डेनियल गोलमेन ने पांच कारक बताये हैं :-

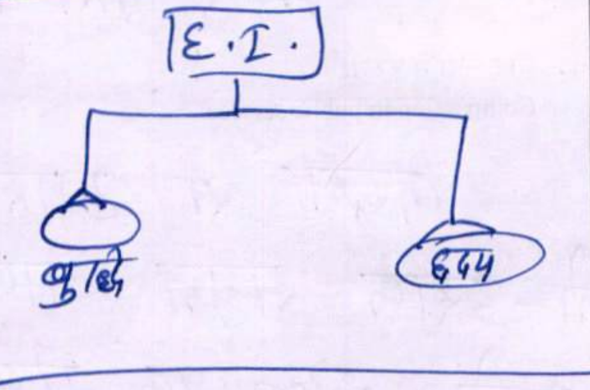

1. स्वयं की भावनाओं को समझना
2. दूसरों की भावनाओं को समझना
3. सामाजिक कौशल
4. परानुभूति
5. कार्य करने के लिए प्रेरित करना।

व्यक्तित्व संबंधी - पेशेवर व रोजमर्रा की जिंदगी में सफलता का पूर्व निर्धारण :-

1. व्यक्ति निजी जीवन में परिवार -

वर्क लाइफ में संतुलन स्थापित कर सकता है।

② अपने जीवन के उद्देश्यों को व्यापक रूप में परिभाषित।

③ निजी जीवन में किये गये कार्यों में बेहतर संतुलन।

④ पेशेवर जीवन में अधीनस्तों एवं सहसाथियों के साथ बेहतर तालमेल।

⑤ उच्च अधिकारियों द्वारा सौंपे गये कार्यों को नियमानुसार व समयबद्धता के साथ पूरा करना।

EI निजी एवं पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण रूप से बदलावों को सुनिश्चित कर सकती है। सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा भारत का एकीकरण। EI का सर्वोत्तम उदाहरण है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) राज्य के नेतृत्व वाली जवाबदेही के पारंपरिक रूप, जिन्हें जवाबदेही की ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रणालियों के रूप में भी जाना जाता है, लगातार अपर्याप्त पाई जा रही हैं और उन्हें पूरक या प्रतिस्थापित करने के लिए असंख्य बहु-हितधारक और बॉटम-अप नागरिक निर्देशित दृष्टिकोण सामने आए हैं। उदाहरण सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Traditional forms of state-led accountability, also characterised as vertical and horizontal channels of accountability, are increasingly found to be inadequate, and a myriad of multi-stakeholder and bottom-up citizen directed approaches have come to the fore, to supplement or supplant them. Discuss with illustrations. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जवाबदेहिता से तात्पर्य है कानूनी रूप से अपने कर्तव्यों एवं कार्यों के प्रति उत्तरदायी ठहराना।

ऊर्ध्वाधर जवाबदेही – अपने कार्य के लिए उच्चस्त अधिकारियों के प्रति जवाबदेह
उदा. सचिव मंत्री के प्रति जवाबदेह।

क्षैतिज जवाबदेही – इसमें सरकार के विभिन्न अंग एक-दूसरे के प्रति जवाबदेही तय करना।

उदा. कार्यपालिका एवं विधायिका के कार्यों की न्यायिक समीक्षा करना।

उपर्युक्त जवाबदेहिता में कुछ कमियाँ है जिनके लिए असंख्य बहु हितधारक एवं

भारत मे नागरिक केंद्रित दृष्टिकोण:-

(1) जन केंद्रित नीति निर्माण :-

उदा. सरकार द्वारा संसदीय समितियों के माध्यम जनता की राय।

(2) मांग आधारित कार्यक्रम :-

उदा. मनरेगा।

(3) सोशल ऑडिट को लागू करना।

(4) पारदर्शिता को बढ़ावा देना -

उदा. RTI के माध्यम से PDS का मूल्यांकन।

(5) ई - गवर्नेंस - सुशासन का आधार स्तंभ।

उदा. - ऑनलाइन शिकायत निवारण

समग्रत: पुरानी जवाबदेहिता के स्थान पर संवेदनशील, पारदर्शी एवं अनुक्रियाशील सुशासन की स्थापना की जा रही है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

7. भारत के एक महानगरीय शहर में, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने अपनी अपराध-रोधी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया। उन्होंने चेहरे की पहचान की एक प्रणाली लागू की जिसे शहर भर में मौजूदा निगरानी कैमरों के साथ एकीकृत किया गया। इसने व्यक्तियों की रियल टाइम आधारित पहचान और ट्रैकिंग को सक्षम बनाया। इस प्रणाली का उद्देश्य ज्ञात अपराधियों, लापता व्यक्तियों और चल रही जांच में संदिग्धों की पहचान करने में सहायता करना था।

एक शाम, किसी महिला ने लूटपाट की एक घटना की सूचना दी, जहां अपराधी ने एक हुडी पहनी थी, जिससे उसका अधिकांश चेहरा स्पष्ट दिखाई नहीं दे रहा था। पीड़िता ने पुलिस को एक अस्पष्ट विवरण प्रदान किया और उस जानकारी के आधार पर, अधिकारियों ने संभावित संदिग्धों का पता लगाने के लिए चेहरे की पहचान तकनीक का उपयोग करने का निर्णय लिया। सिस्टम ने अपराध स्थल के पास विभिन्न स्थानों से प्राप्त निगरानी कैमरों की फुटेज को गहनता से स्कैन किया।

चेहरे की पहचान एल्गोरिथ्म ने संभावित मिलानों की एक सूची तैयार की और एक व्यक्ति की छवि सामने आई, जो पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए विवरण के साथ मेल खा रही थी। पुलिस ने उस व्यक्ति को मुख्य संदिग्ध माना और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद, यह पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति निर्दोष था। आगे की जांच से पता चला कि चेहरे की पहचान प्रणाली ने प्रौद्योगिकी की सीमाओं और पीड़िता द्वारा प्रदान किए गए आंशिक विवरण के कारण निर्दोष व्यक्ति की गलत पहचान की थी। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति को रिहा कर दिया; फिर भी उसकी प्रतिष्ठा जीवन भर के लिए कलंकित हो गई। उसे उसके परिवार सहित, उसके वर्तमान निवास स्थान से बेदखल कर दिया गया था। इस घटना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव अत्यधिक गहरा है जिसके कारण उसकी नौकरी भी खतरे में है।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे कौन-से हैं?

(b) ऐसी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

(250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

In a metropolitan city of India, the law enforcement authorities decided to adopt facial recognition technology to improve their crime-fighting capabilities. They implemented a facial recognition system that integrated with existing surveillance cameras across the city, allowing real-time identification and tracking of individuals. The system was intended to assist in identifying known criminals, missing persons, and suspects in ongoing investigations.

One evening, a woman reported a mugging incident where the perpetrator wore a hoodie, obscuring most of his face. The victim provided a vague description to the police, and based on that information, the authorities decided to use facial recognition technology to locate potential suspects. The system scanned through hours of surveillance footage from various locations near the crime scene.

The facial recognition algorithm generated a list of potential matches, and one individual's image stood out as a close match to the description provided by the victim. The police considered this individual a prime suspect and proceeded with his arrest. Subsequently, it was discovered that the arrested person was innocent. Further investigation revealed that the facial recognition system had misidentified the innocent individual due to the limitations of the technology and the partial description provided by the victim. The police released the arrested individual; still his reputation got tarnished for life. He, along with his family, was evicted from their current place of residence. The psychological impact of the incident has been tremendous owing to which his job is also on the line.

With reference to this case study, answer the following:

(a) What are the issues involved in this case?

(b) What measures can be taken to minimize the negative implications of adopting such technologies? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उक्त प्रकरण तकनीक के माध्यम से किसी व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाई से संबंधित है। इसमें एक व्यक्ति की गलती से दोषी ठहराये जाने पर सम्मान एवं गरिमा का मुद्दा भी है।

(ब) इस प्रकरण में हितधारक :-

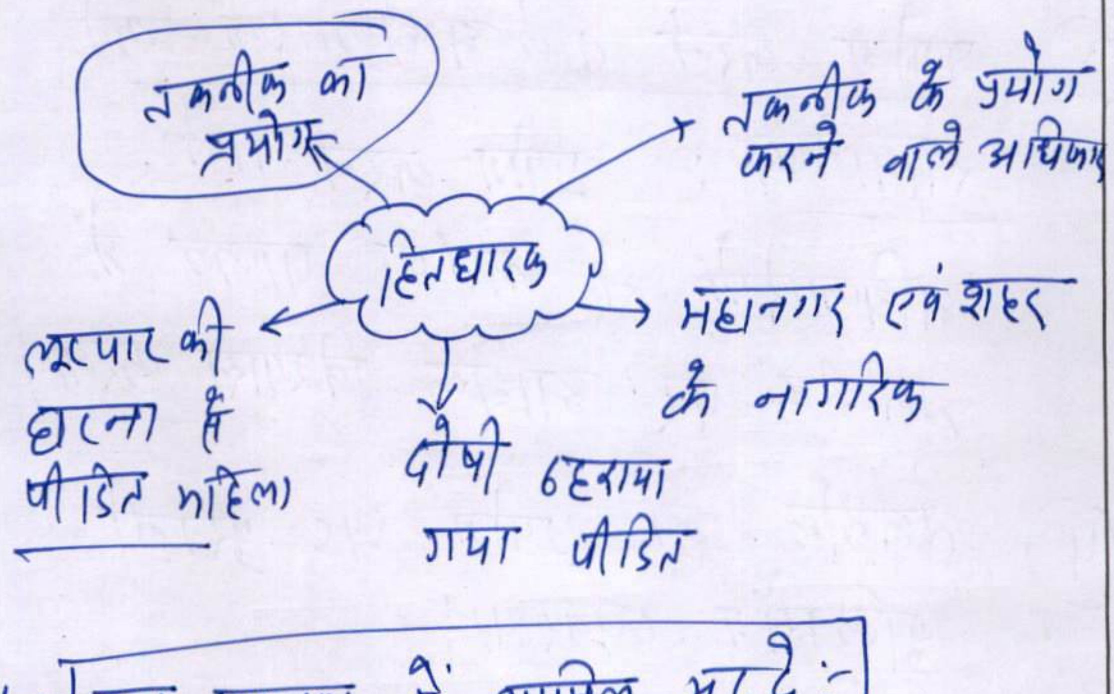

(a) इस प्रकरण में शामिल मुद्दे :-

① आधुनिक तकनीक का प्रयोग :-

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आधुनिक तकनीक के प्रयोग के कारण गलत व्यक्ति को दोषी ठहराया जाना

② पीड़ित महिला को न्याय :-

- पीड़ित महिला को तकनीक के माध्यम से तीव्र न्याय प्रदान न कर पाना।
- पीड़ित महिला ने गलत व्यक्ति की पहचान करना।

③ प्रयोग करने वाले अधिकारियों की सावधानी :- प्रयोग करने वाले अधिकारियों ने कर्तव्य पालन में तकनीक पर अधिक विश्वास करना।

④ तकनीक का प्रयोग v/s पुरानी पुलिसिंग व्यवस्था।

(क) ऐसी प्रौद्योगिकी को अपनाने ~~को~~ के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के उपाय :-

1. तकनीक के लिए प्रयोग किये जा रहे face पहचानने के कैमरों की गुणवत्ता बेहतर हो।

2. तकनीक के ~~गलत~~ गलतियों को कम करने के लिए पुरानी पुलिस व्यवस्था को बनाये रखें।
&
3. इनसे गश्ती प्रणाली, सामुदायिक पुलिसिंग आदि को बेहतर रूप से प्रयोग करना चाहिए।

4. सरकार को तकनीक के लागू करने से पहले उनके नकारात्मक पक्षों पर व्यापक अध्ययन करना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. तकनीक के प्रयोग के मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए।

हाल ही में AI ने लिंग, नस्ल आधारित भेदभाव देखने को आ रहे हैं। इसके निवारण में तकनीक के निर्माण में पूर्वाग्रह से मुक्त एवं वस्तुनिष्ठता, करुणा जैसे मानवीय मूल्यों को शामिल करना चाहिए। गांधी जी के समावेशी विकास, सर्वोदय की तरह तकनीक भी समावेशी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8. रीना और उसके कॉलेज के दोस्त पिछले कुछ महीनों से एक कंपनी में इंटर्न के रूप में काम कर रहे थे। इंटर्नशिप पूरी होने पर रीना समेत उनमें से कुछ को कंपनी में पूर्णकालिक नौकरी की पेशकश की गई है। एक प्रतिष्ठित कंपनी होने के नाते, उसने और उसके दोस्तों ने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। रीना अपनी नई नौकरी को लेकर उत्साहित है और उसने अपनी इंटर्नशिप के दौरान अपनी कंपनी के कुछ सहकर्मियों के साथ अच्छे संबंध भी स्थापित किए हैं। हालांकि, एक इंटर्न के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, रीना ने नोटिस किया था कि कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट्स (VPs) में से एक उस पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा था। वह रीना के कक्ष में रुकने और बातचीत करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करता था, यह व्यवहार वह किसी अन्य इंटर्न के साथ नहीं कर रहा था। उसने सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर भी रीना से जुड़ने की कोशिश की थी। उसके कुछ को-इंटर्न ने भी इस पर ध्यान दिया और VP द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ध्यान के बारे में रीना पर अनाप-शनाप टिप्पणियां करना शुरू कर दिया।

अब जब उसे पूर्णकालिक पद पर नियुक्त कर लिया गया है, तो उसे डर है कि उसे सीधे इस VP के साथ काम करना पड़ सकता है। हालांकि, VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी अनुचित नहीं किया है या कहा है, अतिरिक्त ध्यान दिए जाने और उसके सहकर्मियों द्वारा भी इस पर ध्यान दिए जाने के कारण वह बहुत असहज हो गई और कार्य पर उसकी एकाग्रता कम हो गई।

कंपनी एक खुले और मैत्रीपूर्ण माहौल को प्रोत्साहित करती है और जब उसे काम पर रखा गया था, तो उसे बताया गया था कि जब भी काम से संबंधित किसी भी असुविधाजनक समस्या का सामना करना पड़े तो उसे हमेशा अपने प्रबंधक से बात करनी चाहिए। हालांकि, वह इस बारे में आधिकारिक तौर पर बोलने को लेकर चिंतित है, क्योंकि VP ने स्पष्ट रूप से कुछ भी गलत नहीं किया है।

दी गई स्थिति में:

(a) रीना को किन दुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है?

(b) उसके पास क्या विकल्प हैं? प्रत्येक के गुण और दोष बताइए।

(c) उसके द्वारा अपनाई जाने वाली कार्रवाई को रेखांकित कीजिए, साथ ही उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Rina and her friends from the college were working as interns with a company for the last few months. On completion of their internship, some of them, including Rina, have been offered full-time jobs in the company. Being a reputed company, she and her friends accepted the offer. Rina is enthusiastic about her new job and has even established good relationship with some of her company co-workers during her internship. However, during her tenure as an intern, Rina had begun to notice that one of the Vice-Presidents (VPs) of the company was giving her too much attention. He used to make an extra effort to stop by Rina's cubicle and chat, something he was not doing with any of the other interns. He had even tried to connect with Rina over social networking sites. Some of her co-interns also noticed this and began to make offhand comments to Rina about the extra attention being given by the VP.

Now that she was has been hired for a full time position, she is fearful that she might have to work with this VP directly. While he has not done or said anything explicitly inappropriate, the extra attention and the fact that her co-workers noticed it, made her very uncomfortable and undermined her concentration at work.

The company encourages an open and friendly atmosphere and when she was hired, it was communicated to her that she should always speak to her Manager whenever faced with any uncomfortable work related issues. However, she is concerned to speak about it officially, as the VP has not explicitly done anything wrong.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

In the given situation:

(a) What dilemmas does Rina face?
(b) What options does she have? Provide the merits and demerits of each.
(c) Highlight the course of action she should adopt, along with justification for the same. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यह प्रकरण कार्य संस्कृति एवं महिलाओं के प्रति व्यवहार संबंधित है

हितधारक:
- रीना
- कंपनी के ग्राहक
- सभी इंजीनियर
- VP
- संपूर्ण कर्मचारी
- कंपनी के हितधारक

(a) रीना को सामना की जाने वाली दुविधा

(1) ~~इंजी~~को-इंजी द्वारा की जाने वाली टिप्पणियों से असहजता

(2) VP द्वारा विशेष ध्यान दिया जाना - लिंग आधारित भेदभाव

(3) कंपनी की कार्य संस्कृति को लेकर चिंतित।

(4) रीना द्वारा अपने प्रति असहजता का भाव।

(b) **रीना के पास उपलब्ध विकल्प :**

I. रीना VP की शिकायत करे :

गुण	दोष
1. रीना को असहजता से मुक्ति।	1. VP ने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा।
2. को-इंटर्न की टिप्पणियों से मुक्ति	2. इससे रीना के प्रति गलत धारणा बनेगी।
3. VP द्वारा विशेष ध्यान भविष्य में न दिया जाये	

II रीना किसी से कुछ न कहे :

गुण	दोष
1. VP की जॉब पर कोई प्रभाव नहीं।	1. रीना अंतमन में असहज रहेगी
2. रीना अपने व्यवहार को सहज करे।	2. को-इंटर्न की टिप्पणियाँ असहजता को बढ़ायेंगी।
	3. VP अनावश्यक ध्यान और देने लगे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

~~IB~~ रीना VP को इस बारे मे बताये

गुण	दोष
1. अतिरिक्त प्रयास के कारण जानना।	1. को - वर्कर्स की टिप्पणियाँ।
2. VP को भी जॉब से बरखास्त नहीं।	2. VP भी आहत हो सकता है।

~~मेरे~~ दृष्टिकोण

(C) मेरे द्वारा रीना को सुझाई गयी कार्यवाई :-

मेरे अनुसार प्रत्येक व्यक्ति स्वभावत: अच्छा होता है। प्राकृतिक न्याय के अनुसार उनके मत को ~~भा~~ जानने का पर्याप्त अवसर देना चाहिए।

① रीना द्वारा VP का मत जानने के बाद उचित कार्यवाई का निर्धारण करें।

2. यदि यह रुकने व बातचीत करने के अतिरिक्त प्रयास के माध्यम से रीना के कौशल का में वृद्धि का प्रयास है। तो फिर VP का इरादा ठीक है।

3. यदि लिंग आधारित भेदभाव या सेक्सुअल हरासमेंट जैसे कारणों से VP द्वारा अधिक ध्यान दिया जा रहा है तो उसकी प्रबंधन से शिकायत करनी चाहिए।

4. जॉब एवं कंपनी की कार्य संस्कृति अच्छी है इसलिए रीना आंतरिक शिकायत कमेटी से न्याय जरूर मिलेगी।

समग्रतः रीना को गरिमामय एवं सम्मान के साथ कार्य करना उसका अनुच्छेद 21 एवं 19 की अभिव्यक्ति है। इसलिए रीना को अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. आपको हाल ही में एक ऐसे जिले में नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में तैनात किया गया है, जहां परीक्षाओं में सामूहिक नकल एक नियमित घटना है। मीडिया रिपोर्ट्स में जिले में माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा दे रहे छात्रों को उत्तर चिट देने के लिए माता-पिता और रिश्तेदारों को स्कूल की दीवारों एवं इमारतों को फांदते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, नए तकनीकी उपकरणों के आगमन के साथ, परीक्षाओं में नकल करना और अधिक परिष्कृत हो गया है एवं परीक्षा नियमों का खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है। जांच करने पर, यह पता चला है कि ये रैकेट कई स्कूल अधिकारियों द्वारा चलाए जाते हैं, जिनमें परीक्षा पर्यवेक्षक भी शामिल हैं, जो मुख्य रूप से शिक्षक हैं और वे मुनाफे के लिए एक-दूसरे से मिले हुए हैं। कर्मचारियों की कमी के कारण, पर्यवेक्षक कोई कार्रवाई किए जाने पर सामूहिक हड़ताल पर जाने की धमकी देते हैं। परीक्षाएं आयोजित करना, नकल के कारण उन्हें रद्द करना और पुनः परीक्षाएं कराना सरकार के लिए समय और धन की हानि है तथा यह दुष्चक्र चलता रहता है।

जिले के नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में, निम्नलिखित प्रश्नों का समाधान कीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान कैसे करेंगे?

(c) विभिन्न परीक्षाओं में नकल के खतरे से निपटने के लिए क्या दीर्घकालिक रणनीति अपनाई जानी चाहिए? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have recently been posted as a Nodal Education Officer in one of the districts, where mass cheating in examinations is a regular phenomenon. Media reports have shown parents and relatives scaling school walls and buildings to pass answer chits to students taking secondary school examinations in the district. Moreover, with the advent of new technological devices, cheating in examinations has become more sophisticated and exam rules are flouted openly. On investigation, it has come to your notice that these rackets are run by many school authorities, including exam invigilators who are mostly teachers, and they are hand in glove for profits. With a shortage of staff, invigilators threaten go on mass strikes if any action is taken. Conducting the exams, cancelling them on account of cheating and having re-exams are a loss of time and money for the government and this vicious cycle goes on.

As the Nodal Education Officer of the district, address the following questions:

(a) What are the ethical issues involved in the above case?
(b) How will you resolve the issues in the given case?
(c) What long-term strategy needs to be adopted to deal with the menace of cheating in various examinations? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त प्रकरण सामाजिकता के साथ कर्तव्य पालन से संबंधित है।

इस प्रकरण में विभिन्न हितधारकों द्वारा कर्तव्यपालन के प्रति बेरुखी है

हितधारक
- → शिक्षक
- → जिले के छात्र
- → स्वयं मैं नोडल शिक्षा अधिकारी के रूप में।
- → राज्य सरकार वित्तीय हितों का ध्यान रखना।

(a) **उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे :**

1. कर्तव्यपालन के प्रति बेरुखी।
2. शिक्षकों एवं स्कूल अधिकारियों के प्रति गठजोड़।
3. शिक्षकों के निजी लाभ बनाम सार्वजनिक हित।
4. छात्रों के दीर्घकालिक नुकसान बनाम क्षणिक लाभ
5. व्यापक अर्थों में जिले एवं

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

एवं राष्ट्र के भविष्य का पतन।

6. मेरे कर्तव्यपालन बनाम रैकेट के साथ जाना।

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आप समस्याओं का समाधान :-

(1) प्रत्येक विद्यालय में संभव हो तो बाहरी व्यक्ति के प्रवेश को नियंत्रित किया जाये।

(2) विद्यालय में तकनीक का उपयोग
उदा. CCTV कैमरा लगवाना।

(3) चिटिंग रैकेट के खिलाफ FIR दर्ज करवाना।

(4) कुछ शिक्षकों को परीक्षा प्रारंभ होने से पहले चेतावनी देना।

(5) दूसरे विद्यालयों के शिक्षकों एवं जिले में शिक्षकों के परीक्षा के दौरान व्यापक स्थानान्तरण।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दीर्घकालिक उपाय :

(1) अभिभावक परिवर्तन के माध्यम से माता-पिता को समझाना।

(2) छात्रों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने के स्थान पर मूल्य आधारित का महत्व समझाना।

* उपर्युक्त के बाद भी शिक्षक चीटिंग जारी रखते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करना।

* हड़ताल पर जाने पर वेतन कटौती एवं राज्य सरकार के नियमों के अनुसार सख्त कदम उठाना।

(c) विभिन्न परीक्षा में नकल के खतरे से निपटने के लिए दीर्घकालिक रणनीति :

(1) समाज में मूल्यों के स्तर पर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ईर्ष्या के माध्यम से धारणा में परिवर्तन।

2. चीटिंग विरोधी कानून के लिए सरकार को प्रयास करने चाहिए।

3. तकनीक का बेहतर उपयोग
- पेपर की GPS के माध्यम से ट्रैकिंग
- परीक्षा केंद्र पर CCTV की निगरानी।

4. चीटिंग रोकने के लिए विशेष पुलिस बलों का गठन।

समग्रत: चीटिंग रोककर बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं-
"बोये पेड़ बबूल के,
अमुआ कहाँ से आय।"
- कबीर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. गहरे समुद्र में ड्रिलिंग के अनेक समर्थकों का तर्क है कि हिंद महासागर से बड़ी मात्रा में दुर्लभ-भू धातुओं के दोहन से भारत के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को बढ़ावा देने, इसकी अर्थव्यवस्था और कार्यबल को मजबूत करने एवं रणनीतिक खनिजों की भरोसेमंद आपूर्ति प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार ने समुद्र तल से 6,000 मीटर की गहराई में हिंद महासागर के तल से निकेल, कोबाल्ट, मैंगनीज और आयरन हाइड्रॉक्साइड के खनन की विधियों का अध्ययन करने के लिए 540 मिलियन डॉलर के एक कार्यक्रम को मंजूरी दी है। सरकार का तर्क है कि यह परियोजना 100 वर्षों तक भारत की संवृद्धि को शक्ति प्रदान कर सकती है। यह जलवायु परिवर्तन का भी अध्ययन करेगा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों का पता लगाएगा एवं तापीय ऊर्जा का उपयोग करेगा।

हालांकि, एक प्रतिस्पर्धी दृष्टिकोण का आरोप है कि गहरे समुद्र में ड्रिलिंग से पर्यावरण को अत्यधिक खतरा है। स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों द्वारा संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था पर एक व्यापक रिपोर्ट में कहा गया है कि "जब तक गहरे समुद्र में खनन की आवश्यकता और इसके संभावित परिणामों को बेहतर ढंग से नहीं समझा जाता है, तब तक इस अवधारणा को एक संधारणीय महासागर अर्थव्यवस्था की परिभाषा के साथ संरेखित करना वैचारिक रूप से कठिन है। इसके अलावा यह विभिन्न पर्यावरणीय, कानूनी और शासन संबंधी चुनौतियों के साथ-साथ संयुक्त राष्ट्र के संधारणीय विकास लक्ष्यों के साथ संभावित टकराव के मुद्दों को भी उत्पन्न करता है।"

यह इस बात पर भी प्रकाश डालता है कि सरकारी समर्थन या तुलनात्मक रूप से कम करों के बिना, राष्ट्रीय खनन कार्यों की लाभप्रदता संदिग्ध बनी हुई है। यदि परिचालन लाभदायक होता है, तो यह मानवता की साझी विरासत से प्राप्त संसाधन से होने वाले लाभ के न्यायसंगत बंटवारे के बारे में भी प्रश्न उठाएगा।

इसके अतिरिक्त, BMW, वोल्वो, गूगल और कोरियाई बैटरी निर्माता सैमसंग SDI जैसी कंपनियों ने एक बयान में गहरे समुद्र में खनन से उत्पन्न धातुओं को तब तक नहीं खरीदने की प्रतिबद्धता प्रकट की है, जब तक कि इस गतिविधि के पर्यावरणीय जोखिमों को "व्यापक रूप से समझा नहीं जाता" है।

उपर्युक्त जानकारी के संदर्भ में, निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Many proponents of deep-sea drilling argue that tapping into the vast amount of rare earth elements in the Indian Ocean will help shore up national security interests for India, bolster its economy and workforce, and offer a reliable supply of strategic minerals. Keeping this in mind, the government has approved a $540-million programme to study ways of mining nickel, cobalt, manganese and iron hydroxide from the bed of the Indian Ocean 6,000 meters below sea level. The government argues that the project can power India's growth for 100 years. It will also study climate change, explore marine flora and fauna and harness thermal energy.

However, a competing point of view alleges that deep ocean drilling poses immense risk to the environment. A comprehensive report on Sustainable Ocean Economy by independent geologists states that "until the need for, and potential consequences of, deep-sea mining are better understood, the concept is conceptually difficult to align with the definition of a sustainable ocean economy and raises various environmental, legal and governance challenges, as well as possible conflicts with the UN Sustainable Development Goals."

It also highlights that the profitability of national mining operations, without governmental support or comparably low taxes, remains questionable. If the operations are profitable, it will also raise questions about the equitable sharing of profits derived from a resource taken out of humanity's common heritage.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Additionally, companies like BMW, Volvo, Google and Korean battery maker Samsung SDI, vowed in a statement to not buy metals produced from deep-sea mining until the environmental risks of the activity are "comprehensively understood."

In the context of the above-stated information, address the following:

(a) What are the ethical issues in the given case study?

(b) How can the vision of economic development of a nation be achieved without adversely affecting the sustainability of oceans? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

यह प्रकरण पर्यावरण संरक्षण बनाम आर्थिक विकास से संबंधित है। इसमें

हितधारक

- संपूर्ण पृथ्वी के मानव
- पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण
- विभिन्न जीव – जंतु
- भारत सरकार
- विभिन्न हितधारक जो आर्थिक विकास से जुड़े हैं।

यह प्रकरण हाल ही में ~~भार~~ भारत सरकार मिशन मत्स्यन से संबंधित है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(9) **नैतिक मुद्दे :**

(1) पर्यावरणीय संरक्षण बनाम आर्थिक विकास

(2) रोजगार

(3) पारिस्थितिक संतुलन

(4) सागर के संसाधन

(5) भारत के विकास की योजना

(6) महासागरों की संधारणीयता पर प्रतिकूल प्रभाव के डाले बिना किसी राष्ट्र के आर्थिक विकास के दृष्टिकोण को कैसे प्राप्त :

(1) इसके चक्रीय अर्थव्यवस्था को अपनाना होगा

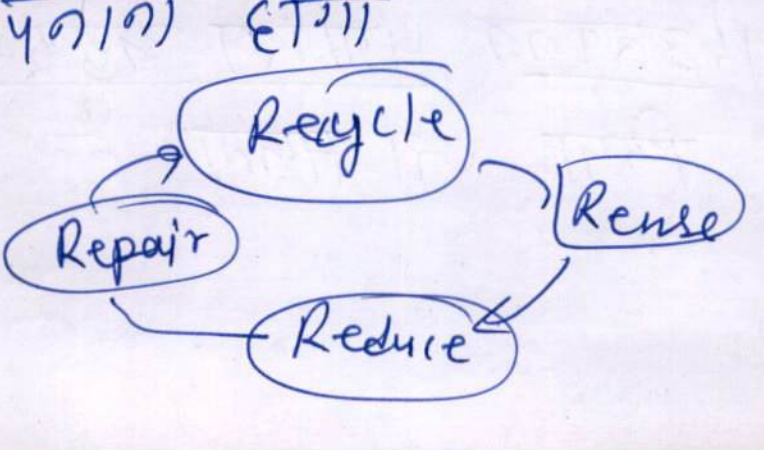

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(2) मिशन लाइफ की अप्रोच को अपनाना होगा।
उदा. 1 अरब लोग मिशन लाइफ को अपनाते हैं तो GHGs का उत्सर्जन 20% कम)

(3) पृथ्वी पर विद्यमान संसाधनों का इष्टतम प्रयोग करना।
जैसे :- पृथ्वी पर व्याप्त मिनरल का उपयोग।

(4) महासागरीय मिनरल के उत्खनन आदि के आधार बनाकर व्यापक शोध करना इससे उनके उत्खनन की धारणीयता का पता चल सकेगा।

(5) यदि उत्खनन पर्यावरण अनुकूल है तो किया जा सकता है अन्यथा

इसके विकल्पों पर काम करना होगा।

(6) एक राष्ट्र की मिनरल सुरक्षा के लिए खनन की सुरक्षित तकनीकी का उपयोग करना होगा।

समग्रतः संसाधनों का इष्टतम उपयोग करके ही समृद्ध पारिस्थितिकी को बचा सकते हैं।

"पृथ्वी मनुष्य की आवश्यकता की पूर्ति कर सकता है लालच की नहीं।" — गांधी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. श्री वाई ने अपने समुदाय के सदस्यों द्वारा धार्मिक पूजा स्थल के निर्माण हेतु जंगल की तलहटी में स्थित एक शहर में 40 एकड़ जमीन खरीदी। पूजा स्थल की योजना में अनेक परस्पर जुड़ी इमारतों, बालकनियों और पानी के फव्वारों का निर्माण किया जाना था। पूजा का केंद्र होने के अलावा, इस स्थान का उद्देश्य दूर-दूर से आने वाले कई उपासकों के लिए आवास प्रदान करना है। योजना को देखने वाला हर कोई इस बात पर सहमत है कि संरचना असाधारण रूप से सुंदर साबित होगी। विडंबना यह है कि इस स्थल की सुंदरता क्षेत्र के स्थानीय निवासियों के बीच चिंता का मुख्य कारण बन गई है, जिनमें से एक बड़ा प्रतिशत एक अलग धार्मिक समुदाय से है। उनमें से कई लोगों का मानना है कि यह स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है, जिससे यातायात की समस्याएं पैदा हो सकती हैं और उनके पड़ोस की शांत जीवन शैली खराब हो सकती है। कम-से-कम, हजारों उपासकों के नियमित रूप से इस स्थान पर आने की उम्मीद है।

कई निवासी सोचते हैं कि उनका पड़ोस न तो इस आकार के परिसर के निर्माण और न ही इतने लोगों, जितनों को समायोजित करने की अपेक्षा की गई है, के लिए यह उपयुक्त है। यहां 1,500 लोगों तक के इकट्ठा होने की अपेक्षा की गई है, हालांकि साइट तक केवल एक दो लेन की सड़क उपलब्ध है। विरोधियों का तर्क है कि इतने ट्रैफिक से आवागमन में समस्याएं पैदा होंगी और बच्चों एवं साइकिल चालकों द्वारा यात्रा के लिए अत्यधिक प्रयोग की जाने वाली सड़कों पर खतरे पैदा होंगे। बढ़ते ट्रैफिक से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

इस बीच अन्य लोग इस विरोध के पीछे एक और अधिक घातक कारण देते हैं: पूर्वाग्रह। उन्हें आश्चर्य है कि क्या पूजा स्थल पर आपत्ति जताने वाले लोग धार्मिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित हैं।

लेकिन निर्माण का विरोध करने वालों का कहना है कि धर्म का इससे कोई लेना-देना नहीं है और वे ऐसे किसी भी प्रकार के विकास का विरोध करते हैं जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक जाम हो। अतः, इस मामले में उन्हें सिर्फ आकार और स्थान को लेकर समस्या है।

विरोध के जवाब में, शहर के योजनाकारों ने निवासियों को आश्वासन दिया है कि क्षेत्र के लिए उपयुक्त शहर निर्माण संबंधी सभी दिशा-निर्देशों और ज़ोनिंग नियमों का पालन किया जाएगा। इसलिए उन्हें निर्माण की योजना रोकने का कोई कारण नजर नहीं आता।

हालांकि, विरोधियों का आरोप है कि शहर के योजनाकार सही पर्यावरणीय प्रभाव रिपोर्ट तैयार करने में विफल रहे हैं और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने उन निवासियों को ठीक से सूचित नहीं किया, जिनके प्रभावित होने की संभावना है, जबकि यह अभी भी योजना के शुरुआती, लचीले चरणों में है।

(a) आप एक जिला मजिस्ट्रेट हैं और यह क्षेत्र आपके क्षेत्राधिकार में आता है। दोनों पक्षों के लोग अपनी शिकायतें लेकर आपके पास आए हैं। आप दोनों दृष्टिकोणों में सामंजस्य स्थापित करने के लिए क्या करेंगे?

(b) कार्रवाई के निम्नलिखित संभावित तरीकों के गुण और दोषों का उल्लेख कीजिए:

(1) क्षेत्र के निवासियों के विरोध को नजरअंदाज करना और धार्मिक पूजा स्थल को मौजूदा नियमों के अनुसार बनाने की अनुमति दे देना।

(2) नए पूजा स्थल पर भरोसा करने वाले हजारों उपासकों को निराश करते हुए, निवासियों से सहमत होकर निर्माण पर रोक लगा देना।

(3) एक समझौते के रूप में, आपके द्वारा पूजा स्थल पर भवन निर्माण संबंधी अतिरिक्त नियमों को लागू किया जाना या डिजाइन में संशोधन पर बल दिया जाना। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. Y. purchased 40 acres of land in a city located in the forested foothill for the construction of a place of religious worship by members of his community. The plans for the worship place called for numerous interconnected buildings, balconies, and water fountains. In addition to being a centre for worship, the place is intended to provide a residence for many worshippers who travel from far-off locations. Everyone looking at the plan agrees that the structure should prove to be extraordinarily beautiful. Ironically, the beauty of the site has become a chief cause for concern among the local residents of the area, a significant percentage of whom belong to a different

religious community. Many of them believe that the place may become a tourist attraction, causing traffic problems and the degradation of the tranquil lifestyle of their neighbourhood. At the least, thousands of worshippers are expected to visit the place regularly.

Many residents think their neighbourhood is not suitable for a facility of this size, nor for the number of people it is expected to accommodate. The congregation plans to have gatherings of up to 1,500 people, though only a single two-lane road approaches the site. The traffic, opponents argue, will cause commuting problems and introduce hazards on roads frequented by children and bicyclists. Increased traffic could also have an adverse impact on the environment.

Meanwhile others see a more insidious reason behind the opposition: prejudice. They wonder if those who object to the worship place are motivated by religious biases.

But those who oppose the construction insist that religion has nothing to do with it and they are opposed to any type of development that would lead to traffic congestion in the area. So, they just have an issue with the size and location in this case.

In answer to the opposition, city planners have assured the residents that all of the city's guidelines and zoning regulations relevant to the area will be followed. They see no reason to stop the plan of construction.

However, the opponents allege that the city planners have failed to prepare an adequate environmental impact report and, more importantly, did not properly notify residents, who are likely to be affected, while it was still in its nascent, flexible stages of planning.

(a) You are a District Magistrate and the area lies in your jurisdiction. People from both sides have approached you with their grievances. What would you do to reconcile the two points of view?

(b) Mention the merits and demerits of the following potential courses of action:

(1) Ignore the opposition from the residents of the area and allow the place of religious worship to be built in accordance with the existing regulations.

(2) Prohibit the construction, agreeing with the residents while causing distress among the thousands of worshippers counting on the new place of worship.

(3) As a compromise, you place additional building regulations on the worship place or insist on modifications to the design. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यह प्रकरण धार्मिक मान्यताओं, पूर्वाग्रह, पर्यावरणीय अनुमति आदि से संबंधित है। इसके निवारण में भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग किया जाना चाहिए।

हितधारक :-
- स्थानीय निवासी
- जिले DM के रूप में स्वयं
- M~-Y एवं उसके धार्मिक धर्मावलम्बी

(a) मेरे दृष्टिकोण

→ भावनात्मक बुद्धिमता का परिचय देते हुए दोनों पक्षों की बातों को ध्यान एवं खुले विचारों से सुनना

② उपलब्ध विकल्पों का व्यापकता एवं समग्रता के साथ मूल्यांकन करना।

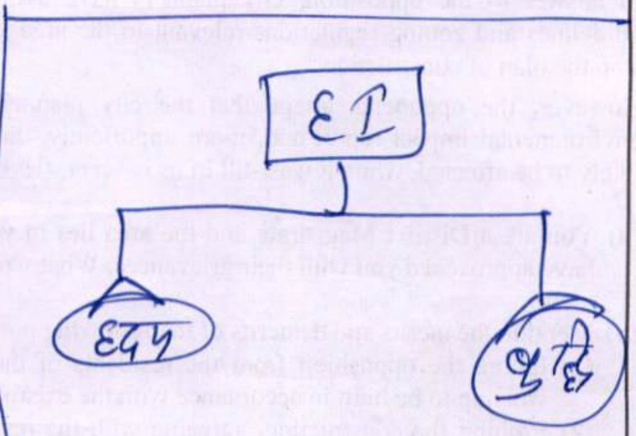

③ उसके बाद कार्रवाई का निर्धारण करना।

(b) कार्रवाई के संभावित तरीके :

① गुण	दोष
(i) इसमें MLA के घर के लोगों के हितों की रक्षा	(i) स्थानीय निवासियों की चिंताओं की अनदेखी।

(ii) पूर्वधारणा से अप्रभावित	→ स्थानीय लोगों की तार्किक समस्या का निस्तारण नहीं उदा. ट्रैफिक जाम

2. गुण	दोष
(i) स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान	→ Mr. Y. के धर्म एवं संपत्ति के प्रबंधन के अधिकार का उल्लंघन उदा- Art- 301
(ii) ट्रैफिक जाम से मुक्ति	→ गलत पूर्व धारणा को स्वीकार करना

③ गुण	दोष
(i) इसमें Mr Y के हितों की रक्षा होगी।	→ स्थानीय निवासियों की उचित मांगों का निस्तारण नहीं।
(ii) स्थानीय निवासियों	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पूर्वधारणा का समाधान

इस प्रकरण के समाधान हेतु तृतीय विकल्प का चुनाव करूंगा:-

(1) इससे दैविक नियमों की समस्या का समाधान।
(2) पर्यावरणीय चिंताओं का समाधान
(3) पूर्वधारणाओं का EI के माध्यम से समाधान।
(4) सभी के धार्मिक अधिकार अनु. 25 से 28 की रक्षा।

समग्रतः प्रत्येक व्यक्ति को एक-दूसरे के धर्म के प्रति सहिष्णुता होनी चाहिए।
"मैं आपके विचारों से सहमत नहीं हूँ लेकिन आपके विचार के प्रकट करने की रक्षा करूंगा" - वाल्टेयर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. आप एक ऐसे राजनीतिक दल के टिकट पर चुने गए जनप्रतिनिधि हैं, जिन्हें कई लोग रूढ़िवादी मानते हैं। आपकी बेटी, जो वर्षों बाद विदेश से पढ़ाई करके लौटी है, ने आपको दूसरे समुदाय के व्यक्ति से शादी करने की अपनी इच्छा से अवगत कराया है। आप व्यक्तिगत रूप से उसकी पसंद में कुछ भी गलत नहीं मानते हैं और उसे अपनी सहमति से अवगत कराते हैं। आप अपने कई दोस्तों और परिवार वालों से भी इस बारे में चर्चा करते हैं और उन्हें बताते हैं कि आप अपनी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की योजना बना रहे हैं। हालांकि, आपके द्वारा आगामी भव्य शादी की खबर कई लोगों के साथ साझा करने के कुछ दिनों बाद, आपके राजनीतिक सचिव ने इसे एक मुद्दा बनाए जाने के बारे में सूचित किया है। वह आपको सूचित करता है कि आपके निर्वाचन क्षेत्र में कई लोगों के बीच इस बारे में कानाफूसी हो रही है और कुछ प्रमुख नागरिकों के बीच बेचैनी की भावना के संकेत हैं। हालांकि, उनमें से अधिकांश आपकी बेटी के लिए एक भव्य विवाह समारोह की आपकी योजना से मंत्रमुग्ध हैं, किंतु वे दूल्हे के दूसरे समुदाय से होने के कारण नाखुश हैं। आपको पार्टी में अपने सूत्रों से यह भी पता चल रहा है कि दूल्हे की पसंद पर आपकी सहमति से आगामी चुनाव में हाईकमान आपको टिकट देने से इनकार कर सकता है। आप न केवल एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ और अपनी राजनीतिक पार्टी के एक उभरते सितारे हैं, बल्कि एक खुले विचारों वाले, प्यारे और स्नेही पिता भी हैं। लेकिन आप अपनी बेटी की आजादी और पसंद से कितना भी प्यार करते हों, आप नहीं चाहेंगे कि उसके फैसले का आपकी राजनीतिक यात्रा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। यह तब और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आप एक राजनेता के रूप में अपनी वर्षों की कड़ी मेहनत को देखते हुए, बड़ी जिम्मेदारियों और पार्टी में एक ऊंचे कद की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। दूसरी ओर, आपकी बेटी अपनी पसंद पर दृढ़ है और नहीं चाहती कि उसकी होने वाली भव्य शादी किसी भी तरह से प्रभावित हो। वह इस बात पर अड़ी हुई है कि उसकी शादी केवल करीबी दोस्तों और परिवार के साथ एक निजी समारोह के रूप में आयोजित नहीं की जाएगी, बल्कि इसे भव्य तरीके से प्रचारित किया जाना चाहिए, जैसा कि आपने उससे पहले वादा किया था।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे कौन-से हैं?

(b) एक पिता और एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प क्या हैं?

(c) आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? उचित तर्क सहित पुष्टि कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are a public representative, elected on the ticket of a political party, considered as conservative by many. Your daughter, who has returned years after studying abroad, has conveyed to you her choice of marrying a person from another community. You personally do not consider anything wrong in her choice, and convey your assent to her. You also discuss it with many among your friends and family, and inform them of a grand wedding ceremony you are planning for your daughter. However, a few days after you have shared the news of the forthcoming grand wedding with many, you are informed by your political secretary about an issue being made of the same. He informs you that there are whispers among many people in your constituency about it, and indications of a sense of unease among some prominent citizens. While most of them are enamoured by your plans for a grand wedding ceremony for your daughter, they are unhappy about the bridegroom being from another community. You also get to know through your sources in the party, that your assent to the choice of the bridegroom may lead to a denial of ticket by the high command in the forthcoming elections. You are not only an ambitious politician and a rising star in your political party but also an open-minded, loving and doting father. But howsoever much you love your daughter's freedom and choices, you do not want her decision to adversely affect your political journey. This is more so, when you had been eagerly looking forward to greater responsibilities and a higher stature in the party, given the years of hardwork you have put in, as a politician. Your daughter, on the other hand, is firm with her choice and does not want her impending grand wedding to be affected in any way. She is adamant

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

that her wedding will not be held as a private ceremony with only close friends and family, but should be publicised in a grand way, as you had promised earlier to her.

Given this situation, answer the following:

(a) What are the ethical issues in the above situation?

(b) What are the various options that you have, as a father and an ambitious politician?

(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यह प्रकरण हाल ही में उत्तराखंड के एक विधायक की बेटी पर आधारित है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे हैं:-

1. व्यक्तिगत पसंद बनाम सार्वजनिक स्वीकार्यता।

2. बेटी के निजी जीवन के अधिकार

3. पिता की धार्मिक पसंद एवं राजनेता के रूप में प्रगति का मुद्दा।

4. धार्मिक पसंद बनाम वैवाहिक जीवन की स्वीकृति।

(b) एक पिता और महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ के रूप में आपके पास उपलब्ध विभिन्न विकल्प :-

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

1. बेटी की इच्छा को स्वीकार करना

गुण	दोष
→ बेटी की इच्छा को स्वीकार	→ सार्वजनिक जीवन में चुनाव हारने का डर।
→ धर्म को राजनीति के साथ स्वीकार्य नहीं।	→ राजनैतिक रूप से नुकसान
→ पिता के दायित्व का पालन	

(2) बेटी की इच्छा को नकारना :-

गुण	दोष
→ राजनैतिक लाभ	→ पिता के दायित्व का पालन नहीं
→ सार्वजनिक रूप से छवि सुधरेगी।	→ बेटी के जीवन पर नकारात्मक असर

3) निजी समारोह

गुण	दोष
→ बेटी की इच्छा पूरी	→ राजनैतिक उन्माद
→ धर्म एवं निजी जीवन को अलग करना	→ बेटी की इच्छा भव्य समारोह का पूरा न होना

(C) मेरी कार्यवाही का तरीका

1. मैं चाहूंगा की बेटी की इच्छा का सम्मान हो और समारोह भी अच्छा हो, के

2. इनसे समाज में व्यापक संदेश जायेगा।

3. लोगों को समझाऊंगा पहले

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भी राजनेताओं के संतानों ने
दूसरे धर्म में शादी ~~की है~~

5. अतः बेटी की इच्छा का सम्मान करते हुए विवाह का निर्णय स्वीकार करूंगा क्योंकि उसके निजी जीवन एवं भविष्य का जीवन सुधरेगा।

समग्रतः यह अंतर्धार्मिक विवाह का मामला है जिसे भारत का संविधान एवं विशेष विवाह अधिनियम मान्यता देता है। अतः इसमें कुछ भी गलत नहीं है —

" प्रत्येक मनुष्य को अपने इच्छा के अनुसार निर्णय का अधिकार है"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

SPACE FOR ROUGH WORK

AL